कक्षा–11
विषय–भूगोल

लिखित (केवल प्रश्न पत्र) 70 अंक
प्रयोगात्मक 30 अंक

खंड क

भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत 35 अंक

इकाई– 1– भूगोल एक विषय के रूप में 30 अंक

1– भूगोल एक विषय के रूप में

भूगोल एक समाकलन विषय के रूप में, भूगोल की शाखाएं (विषय वस्तु या क्रमगत उपागम के आधार पर) भौतिक भूगोल एवं इसका महत्व

इकाई 2–पृथ्वी

2–पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास

आरंभिक सिद्धांत, पृथ्वी की उत्पत्ति, आधुनिक सिद्धांत–ब्रह्मांड की उत्पत्ति, तारों का निर्माण, ग्रहों का निर्माण, पृथ्वी का उद्‌भव, स्थलमंडल का विकास, वायु मंडल व जल मंडल का विकास, जीवन की उत्पत्ति।

3–पृथ्वी की आंतरिक संरचना

भूगर्भ की जानकारी के साधन, प्रत्यक्ष स्त्रोत, अप्रत्यक्ष स्त्रोत, भूकंप, भूकंप तरंगे, भूकंप के प्रकार व प्रभाव, पृथ्वी की संरचना, ज्वालामुखी निर्मित स्थलाकृति।

4–महासागर एवं महाद्वीपों का वितरण

महाद्वीपीय प्रवाह, भूकंप और ज्वालामुखी का वितरण, प्लेट विवर्तनिकी, वेगनर का महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धांत ।

इकाई 3– भू आकृतियां

5– भू–आकृतिक प्रक्रियाएं

अपक्षय, वृहत संचालन, अपरदन एवं निक्षेपण, मृदा निर्माण ।

6– भू–आकृतियां तथा उनका विकास

प्रवाहित जल, भौम जल, हिमनद, तरंग व धाराएँ, पवनें द्वारा अपरदित स्थल रूप, निक्षेपित स्थल रूप।

इकाई 4–जलवायु

7– वायुमंडल का संगटन तथा संरचना

वायुमंडल का संगटन, मौसम एवं जलवायु तत्व।

8–सौर विकिरण ऊष्मा संतुलन एवं तापमान

सौर विकिरण, पृथ्वी की सतह पर सूर्यातप में विभिन्नता, वायुमंडल का तापन एवं शीतलन, पृथ्वी का उष्मा बजट, तापमान को प्रभावित (नियंत्रित) करने वाले कारक, तापमान का वितरण तापमान का व्युत्क्रमण।

9–वायुमंडलीय परिसंचरण तथा मौसम प्रणालियां

वायुदाब, वायुदाब में ऊर्ध्वाधर विभिन्नता, वायुदाब का क्षैतिज वितरण, समुंद्र तल, वायुदाब का विश्व वितरण, पवनों की दिशा व वेग को प्रभावित करने वाले बल, वायुमंडल का सामान्य परिसंचरण, उष्णकटिबंधीय, चक्रवात।

10—वायुमंडल में जल

वाष्पीकरण तथा संघनन, ओस, पाला, धुंध, कोहरा एवं मेघ, वर्षा के प्रकार एवं विश्व वितरण।

11—विश्व का जलवायु एवं जलवायु परिवर्तन

कोपन की जलवायु वर्गीकरण की पद्धति, जलवायु परिवर्तन, भूमंडलीय जलवायु परिवर्तन, भूमंडलीय उष्मन, ग्रीन हाउस प्रभाव।

इकाई 5 — महासागरीय जल

12— महासागरीय जल

जलीय चक्र, महासागरीय अधस्तल का उच्चावच एवं विभाजन महासागरीय, जल की लवणता एवं प्रभावित करने वाले कारक ।

13— महासागरीय जल संचलन

महासागरीय तरंगे, समुद्री धाराएं एवं ज्वार भाटा

इकाई 6 पृथ्वी पर जल

14—जैव विविधता एवं संरक्षण

अनुवांशिक जैव—विविधता, पादप एवं अन्य जीवो की विशेषताएं, जैव विविधता एवं संरक्षण, पारिस्थितिक तंत्र एवं पारिस्थितिक संतुलन, जैव —भू रासायनिक चक्र ।

मानचित्र— पांच प्रश्न **05 अंक**
नोट— इकाई 1 से इकाई 6 तक से सम्बन्धित भू दृश्य/राजनैतिक और भौतिक मानचित्र का दृश्यांकन — 1/2 अंक सहित उत्तर एवं 1/2 अंक सही स्थान हेतु निर्धारित हैं

खंड—ख
भारत—भौतिक पर्यावरण

खंड —1— प्रस्तावना
1—भारत— स्थिति
स्थिति— विश्व में भारत का स्थान एवं आंतरिक संबंध।

खंड—२—भू आकृति विज्ञान

2—संरचना तथा भू आकृति विज्ञान

प्रायद्वीपीय खंड, हिमालय और अन्य अतिरिक्त प्रायदीपीय पर्वत मालाएं, सिंधु गंगा ब्रह्मपुत्र मैदान, भू—आकृति, उत्तर तथा उत्तर—पूर्वी पर्वतमाला, उत्तर का मैदान, पर्वतीय पठार, भारतीय मरुस्थल, तटीय मैदान, दीप समूह।

3— अपवाह तंत्र

अपवाह तंत्र, भारत के अपवाह तंत्र, हिमालय अपवाह—हिमालय अपवाह तंत्र का विकास, हिमालय अपवाह तंत्र की नदियां, प्रायद्वीपीय अपवाह तंत्र, नदी जल उपयोग की सीमा।

खंड —3—जलवायु एवं प्राकृतिक वनस्पति

https://www.evidyarthi.in/

4–जलवायु

भारतीय मानसून की प्रकृति, मानसून में विच्छेद ,मानसून का निवर्तन, ऋतुओं की लय , अरब सागर की मानसून पवने , बंगाल की खाड़ी की मानसून पवने, मानसून के निर्वतन की ऋतु, भारत की परंपरागत ऋतुएं, मानसून और भारत का आर्थिक जीवन, भूमंडलीय तापन।

5–प्राकृतिक वनस्पति

वनों के प्रकार, वन संरक्षण, सामाजिक वानिकी, फार्म वानिकी, वन्य प्राणी, वन्य प्राणी संरक्षण।

खंड –4–प्राकृतिक संकट तथा आपदाएं कारण, परिणाम तथा प्रबंध

6–प्राकृतिक संकट तथा आपदाएं

प्राकृतिक आपदाओं का वर्गीकरण, भारत की प्राकृतिक आपदाएं–भूकंप, सुनामी, बाढ़, सूखा, भारत में सूखे के प्रकार, भारत में सूखाग्रस्त क्षेत्र, सूखे के परिणाम, भूस्खलन, भूस्खलन के परिणाम ,निवारण, आपदा प्रबंधन, निष्कर्ष।

मानचित्र– पांच प्रश्न **05 अंक**

नोट– खण्ड 1 से खण्ड 4 तक से सम्बन्धित भू दृश्य/राजनैतिक और भौतिक मानचित्र का दृश्यांकन – 1/2 अंक सहित उत्तर एवं 1/2 अंक सही स्थान हेतु निर्धारित हैं

खण्ड 'ग'

प्रयोगात्मक कार्य **30 अंक**

इकाई–1 –

(i) **मानचित्र का परिचय**– मानचित्र के प्रकार; मापक के प्रकार; सरल रैखिक पैमाने का निर्माण; दूरी का मापन; दिशा ज्ञान और रूढ़ चिन्हों का प्रयोग।

(ii) **मानचित्र मापनी**–मापनी क्या है, मापनी व्यक्त करने की विधियां, मापनी का रूपान्तरण

(iii) **अक्षांश, देशान्तर और समय**– अक्षांश समांतर, देशान्तर याम्योत्तर, देशान्तर एवं समय, अंतर्राष्ट्रीय तिथि रेखा।

(iv) **मानचित्र प्रक्षेप**– मानचित्र प्रक्षेप की आवश्यकता, मानचित्र प्रक्षेप के तत्व, वर्गीकरण, कुछ चुने हुये मानचित्र प्रक्षेप

(v) **स्थलाकृतिक एवं मौसम मानचित्र**– समोच्च रेखा पार्श्वचित्र एवं भू–आकृतियां– ढाल, पहाड़ी, घाटी (U एवं V आकार की), जलप्रपात, क्लिफ एवं स्थलाकृतिक मानचित्रों का निर्वचन।

(vi) **सुदूर संवेदन का परिचय**– सुदूर संवेदीय उपग्रह से प्राप्त चित्र आंकड़ों को अर्जित करने के चरण एवं संवेदन आंकड़ों को प्राप्त करना। (फोटोग्राफी एवं डिजिटल)

प्रयोगात्मक परीक्षा

अंक विभाजन

1–	लिखित परीक्षा– 6 प्रश्नों में से किन्ही 4 प्रश्नों का उत्तर देना है।	–	**20 अंक**
2–	प्रयोगात्मक अभ्यास पुस्तिका	–	**05 अंक**
3–	मौखिक परीक्षा	–	**05 अंक**